संकट हरने वाले को हनुमान कहते हैं

दुनिया रचने वाले को भगवान कहते हैं,
और संकट हरने वाले को हनुमान कहते हैं ।

हो जाते है जिसके अपने पराये,
हनुमान उसको कंठ लगाये ।
जब रूठ जाये संसार सारा,
बजरंगबली तब देते सहारा ।
अपने भक्तो का बजरंगी मान करते है,
संकट हरने वाले को हनुमान कहते हैं ॥

दुनिया में काम कोई ऐसा नहीं है,
हनुमान के जो बस में नहीं है ।
जो चीज मांगो, पल में मिलेगी,
झोली ये खाली खुशियों से भरेगी ।
सच्चे मन से जो भी इनका ध्यान करते हैं,
संकट हरने वाले को हनुमान कहते हैं ॥

कट जाये संकट इनकी शरण में,
बैठ के देखो बजरंग के चरण में ।
'लख्खा' की बातों को झूठ मत मानो,
फिर ना फंसोगे जीवन मरण में ।
इनके सीने में हरदम सिया राम रहते है,
संकट हरने वाले को हनुमान कहते हैं ॥

और देवता चित्त ना धरही,
हनुमंत से सर्व सुख करही ।

संकट कटे मिटे सब पीरा,
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा ।

दुनिया रचने वाले को भगवान कहते हैं,
संकट हरने वाले को हनुमान कहते हैं ।

स्वर : लखबीर सिंह लक्खा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1695/title/duniya-rachne-wale-ko-bhagwan-kehte-hain-aur-sankat-harne-wale-ko-hanuman-kehte-hain

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |